

नमामगिंगे ने मेरठ में सीवेज उपचार अवसंरचना के विकास के लिये समझौते पर हस्ताक्षर किये

चर्चा में क्यों?

- 6 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानदेशक की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के मेरठ में सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) और अन्य अवसंरचना के विकास के लिये एनएमसीजी उत्तर प्रदेश जल नगिम और मैसर्स मेरठ एसटीपी प्रा. लिमिटेड के बीच त्रपिकीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बंदि

- हाइब्रडि वार्षिकी पीपीपी मोड के अंतर्गत इस परियोजना की कुल लागत 369.74 करोड़ रुपए है और इसे दसिंबर, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य नरिधारति कयिा गया है।
- एनएमसीजी ने 220 एमएलडी की कुल क्षमता वाले सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) का नरिमाण करने के लयि परयिोजना को मंजूरी प्रदान की है, जसिमें इंटरसेप्शन एंड डायवर्सन (आई एंड डी) संरचनाओं का विकास, आई एंड डी नेटवर्क बछिाना, 15 वर्षों के लयि परचालन एवं रखरखाव सहति सीवेज पंपिंग स्टेशन आदि जैसे अन्य कार्य भी शामिल हैं।
- इस परयिोजना का उद्देश्य मेरठ शहर में मौजूदा सीवेज समस्याओं और इसके कारण काली नदी में सीवेज प्रदूषण की समस्या का समाधान करना भी है।
- इस परयिोजना के पूरा होने के बाद मेरठ शहर से काली नदी (पूरव) में अनुपचारति सीवेज का नरिवहन नहीं होगा, जसिसे प्रदूषण में कमी आएगी।
- काली (पूरव) कन्नौज के समीप गंगा नदी से मलिति है और इस परयिोजना के पूरा होने से गंगा नदी के प्रदूषण में भी कमी लाने में मदद मलिंगी।
- इस समझौते पर उत्तर प्रदेश जल नगिम (ग्रामीण) के अधीक्षण अभयिंता, एसके बरमन, मयंक अग्रवाल, प्राधकित हस्ताक्षरकर्ता, मैसर्स मेरठ एसटीपी प्राइवेट लिमिटेड और वनिोद कुमार, नदिशक (परयिोजना), एनएमसीजी ने जी. अशोक कुमार, एनएमसीजी के महानदिशक की उपस्थति में हस्ताक्षर कयिे हैं।



